



# बिहार गजट

## असाधारण अंक

# बिहार सरकार द्वारा प्रकाशित

8 ज्येष्ठ 1936 (श०)

(सं० पटना 465) पटना, वृहस्पतिवार, 29 मई 2014

### शिक्षा विभाग

#### अधिसूचना

27 मई 2014

सं० 14/मु० 13-760/11-उ०शि०-६५३—भारतीय संविधान की अनुच्छेद 166 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए बिहार के राज्यपाल के अधिसूचना संख्या-733 दिनांक 24/04/2012 के क्रम में राज्य के विश्वविद्यालयों के शिक्षक/ शिक्षकेतर कर्मियों के स्वीकृत पद, नियुक्ति, प्रोफेसर एवं वेतन निर्धारण एवं बकाया वेतनादि एवं पैशादि राशि की अनुमान्यता की जाँच हेतु श्री विजय शंकर दूबे की अध्यक्षता में गठित समिति का कार्यबल तथा उसकी शक्ति एवं कार्यों को अगले छह माह 01/03/2014 से 31/08/2014 तक विस्तारित किये जाने की स्वीकृति दी जाती है :-

2. समिति का कार्यकाल : समिति के कार्यकाल को तत्काल अगले ४ माह के लिए अर्थात् दिनांक 01/03/2014 से 31/08/2014 तक के लिए विस्तारित किया जाता है, समिति के कार्यभार को दृष्टिपथ में रखते हुए या समिति को कार्यरत् रखने की आवश्यकता के मद्देनजर राज्य सरकार द्वारा विस्तारित किया जा सकेगा।

#### 3. समिति की शक्ति :

- समिति सूचना प्राप्त करने हेतु विश्वविद्यालय के किसी भी पदाधिकारी से और/ या उसके अधीनस्त अंगभूत महाविद्यालय के प्राचार्य/ या उससे संबंधित कर्मियों को/ से दावे की जाँच करने हेतु तथा उनके कर्तव्य निर्वहन करने हेतु समिति संतुष्ट होने तथा अभिलेख की मांग करने के लिए सक्षम होगा। शिक्षा विभाग के पदाधिकारी एवं राज्य के विश्वविद्यालय/ अंगीभूत महाविद्यालय के पदाधिकारियों की बैठक मुद्दे को समझने उसका निराकरण करने और संबंधित कर्मियों को देय राशि के निर्धारण हेतु बुलाने के लिए समक्ष होगा।

- (ii) समिति राज्य के विभिन्न विश्वविद्यालयों, अंगीभूत महाविद्यालयों की समस्या का अध्ययन करने तथा आपसी स्वीकार्य निदान का पता करने हेतु उनका स्थल भ्रमण कर सकती है।
- (iii) उपर्युक्त समनुदेशित कर्तव्यों के अतिरिक्त समिति राज्य सरकार को राज्य के विश्वविद्यालयों के प्रशासनिक तथा आर्थिक वातावरण में सुधार हेतु विभिन्न उपायों पर सलाह दे सकती है।
- (iv) माननीय उच्च न्यायालय/ राज्य सरकार किसी अन्य मामले की जाँच करने और प्रतिवेदन देने हेतु समिति को कह सकती है।

**प्रथमतः** समिति ऐसे मामलों को ही जाँच कर प्रतिवेदन देणी जो माननीय पठना उच्च न्यायालय में लम्बित/ विचाराधीन है और इसके द्वारा विश्वविद्यालय एवं अंगीभूत महाराष्ट्र के शिक्षकों/ शिक्षकेतर कार्यरत् एवं सेवा निवृत्त कर्मियों के बकाया राशि निर्धारित करने हेतु संदर्भित है।

#### 4. समिति द्वारा अंगीकृत किये जाने वाले कार्यों की प्रक्रिया :-

- (i) संबंधित कर्मी को देय राशि निर्धारित करने के क्रम में समिति अन्य सभी सुसंगत तथ्यों के साथ-साथ निम्नलिखित तथ्यों पर भी विचार करेगी :-
- क्या कर्मी की नियुक्ति/ प्रोफेशन विश्वविद्यालय अधिनियम एवं इसके अधीन गठित परिनियम में निहित प्रावधानों के अनुकूल है ?
  - क्या इस निमित्त पद विधिवत रूप से स्वीकृत था ?
  - क्या वेतन निर्धारण इसके लिए निर्धारित प्रक्रिया के अनुकूल है ?
  - क्या इस संबंध में अंकेक्षक द्वारा कोई टिप्पणी की गयी है ?
  - क्या बकाया मद की राशि के लिए भारत सरकार से कोई अंशदान भी प्राप्त होना है ?

(ii) समिति जब कभी आवश्यक समझे तो सम्बद्ध कर्मी को और शिक्षा विभाग को भी अपना दावा या पक्ष रखने का अवसर प्रदान कर सकती है ताकि समिति अंतिम रूप से अपनी धारणा/विचार गठित कर सके।

5. यदि शिक्षा विभाग एवं समिति के बीच कोई मतान्तर उत्पन्न होता है तो राज्य सरकार का विनिश्चय अंतिम होगा।

6. इस आदेश के परिशिष्ट ‘क’ में उल्लिखित व्यय विवरणी के अनुसार ही राज्य सरकार समिति पर खर्च वित्तीय वर्ष 2014-15 में वहन करेगी।

बिहार-राज्यपाल के आदेश से,  
सुवील कुमार सिंह,  
सरकार के संयुक्त सचिव।

#### परिशिष्ट - क

विश्वविद्यालयों के शिक्षक/ शिक्षकेतर कर्मचारियों के वार्षिक बकाया राशि निर्धारित करने के उद्देश्य हेतु समिति पर वित्तीय वर्ष 2014-15 में होने वाले व्यय विवरणी (छह माह के लिए) :

| क्र० सं० | पद                   | प्रतिमाह अनुमान्य व्यय | कुल व्यय     |
|----------|----------------------|------------------------|--------------|
|          | अध्यक्ष - 1          | माह - ₹ 75000 x 6      | ₹ 4,50,000/- |
|          | सदस्य - 1            | माह - ₹ 65000 x 6      | ₹ 3,90,000/- |
|          | सदस्य सचिव -1        | माह - ₹ 55000 x 6      | ₹ 3,30,000/- |
|          | कम्प्यूटर ऑपरेटर - 3 | माह - ₹ 6000           | ₹ 1,08,000/- |
|          | स्टेनो - 2           | माह - ₹ 8000           | ₹ 96,000/-   |

| क्र० सं० | पद                            | प्रतिमाह अनुमान्य व्यय | कुल व्यय      |
|----------|-------------------------------|------------------------|---------------|
|          | वाहनों एवं उपस्करों पर व्यय – |                        | ₹ 1,00,000/-  |
|          | कार्यालय व्यय                 |                        | ₹ 1,52,000/-  |
|          |                               | कुल योग—               | ₹ 16,26,000/- |

(रुपये सौलह लाख छब्बीस हजार मात्र)

बिहार-राज्यपाल के आदेश से,  
 सुनील कुमार सिंह,  
 सरकार के संयुक्त सचिव।

---

अधीक्षक, सचिवालय मुद्रणालय,  
 बिहार, पटना द्वारा प्रकाशित एवं मुद्रित।  
 बिहार गजट (असाधारण) 465-571+100-डी०टी०पी०।  
 Website: <http://egazette.bih.nic.in>